

खबर संक्षेप



ब्लॉक स्तरीय चयन प्रतियोगिता का आयोजन

सागर। दिल्ली पब्लिक स्कूल, मकरोनिया के विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा, अनुशासन एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन के बल पर ब्लॉक स्तरीय चयन में शानदार सफलता प्राप्त की। विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों का चयन ब्लॉक स्तर के लिए किया गया। इस उपलब्धि से विद्यालय परिसर में हर्ष एवं उत्साह का वातावरण रहा। इस प्रतियोगिता में शहर के 7-8 विद्यालय के लगभग 200 खिलाड़ियों ने भाग लिया जिसमें 14, 17, 19 वर्ष की आयु के पुरुष वर्ग वालीबॉल में अंश वाल्मीकि, सारांश यादव, सूर्याश दुबे का चयन हुआ एवं कराटे में दिव्यांशी गुप्ता, मोहित सौर, दिव्यांशी अहिरवार एवं अन्य बच्चों का चयन हुआ। विद्यालय के प्राचार्य जिजीष जोसेफ ने चयनित खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह सफलता उनकी मेहनत, शिक्षकों के मार्गदर्शन तथा अभिभावकों के सहयोग का परिणाम है। उन्होंने विद्यार्थियों को आगामी प्रतियोगिताओं में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय, नगर एवं जिले का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया।

प्रकाश चंद जैन का निधन

सागर। तीन बत्ती फानूसा कुआं के सामने स्थित डाबर मेडिको परिवार के वरिष्ठ सदस्य प्रकाश चंद जैन का 88 साल की उम्र में शनिवार शाम 5.15 बजे निधन निवास पर निधन हो गया। वे प्रवीण जैन डाबर के पिता थे। जैन अपने पीछे भरा पूरा परिवार छोड़ गए हैं। अंतिम यात्रा रविवार सुबह 8 बजे निज निवास से निकाली जाएगी। नरयावली मुक्तिधाम में अंतिम संस्कार होगा।

24 तीर्थ क्षेत्रों पर 1008 पौधों का रोपण आज

सागर। भारतीय जैन मिलन (क्षेत्र क्रमांक 10) द्वारा पर्यावरण संरक्षण के अंतर्गत 2 अगस्त रविवार को शाश्वत सिद्ध क्षेत्र सम्पद शिखर जी और गिरिनार जी सहित बुंदेलखंड के 24 दिगंबर जैन तीर्थ क्षेत्रों पर एक साथ तीर्थंकर भगवान के 1008 नामों को समर्पित 1008 पौधारोपण तथा 24 तीर्थंकरों की पावन स्मृति में श्रीफल समर्पित किए जाएंगे। धर्म, प्रवृत्ति और समाज सेवा का अनोखा 'त्रिवेणी सागर'अभियान के अंतर्गत प्रत्येक तीर्थ क्षेत्र पर धर्म बहरोल, क्षेत्रीय मंत्री ने बताया कि तीर्थ क्षेत्रवार जिम्मेदारी एवं बैठकों की रूपरेखा अभियान के सुचारू संचालन के लिए क्षेत्रीय एवं राष्ट्रीय पदाधिकारियों को विभिन्न तीर्थों की जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं, जहाँ संगठनात्मक बैठकें और कार्यक्रम आयोजित होंगे। उन्होंने बताया कि क्षेत्र क्रमांक दस के तहत महाकौशल, बुंदेलखंड के सागर संभाग में 45 इकाईया संचालित की जा रही है। जो कि 2 अगस्त को सुबह आठ बजे से अपने अपने क्षेत्रो के तीर्थ स्थानो पर पौधारोपण करेगे।

हरिभूमि न्यूज ►► सागर

नरयावली विधानसभा क्षेत्र के सदर निवासी जूडो खिलाड़ी यामिनी मौर्य ने कॉमनवेल्थ गेम्स-2026 में महिलाओं के 57 किलोग्राम भार वर्ग में रजत पदक जीतकर सागर, मध्यप्रदेश और देश का गौरव बढ़ाया है। उनकी इस उपलब्धि से पूरे जिले में खुशी और गर्व का माहौल है। विभिन्न जनप्रतिनिधियों, खेल संगठनों और सामाजिक संस्थाओं ने उन्हें बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी हैं।



अर्धवार्षिकी सेवा पूर्ण करने पर दिनेश सोनकर को एसडीएम कार्यालय में दी गई गरिमामयी विदाई

रहली। एसडीएम कार्यालय रहली में शुक्रवार को एक गरिमामय एवं भावुक माहौल में कानूनगो दिनेश सोनकर का विदाई समारोह आयोजित किया गया। राज्यस्व विभाग में 32 वर्षों की लंबी, निष्ठावान और सराहनीय सेवाएं देने के बाद उनके सेवानिवृत्त होने पर सहकर्मियों और वरिष्ठ अधिकारियों ने उन्हें भावभीनी विदाई दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे एसडीएम कुलदीप पराशर ने दिनेश सोनकर के कार्यकाल की सराहना करते हुए कहा दिनेश ने अपने पूरे सेवाकाल में ईमानदारी, मेहनत और लगन की मिसाल पेश की है। समयसीमा के भीतर अपने दायित्वों को पूरी निष्ठा से निभाना उनकी सबसे बड़ी खासियत रही। विभाग को हमेशा उनके लंबे अनुभवों का मार्गदर्शन मिलता रहेगा। इस अवसर पर तहसीलदार राजेश पाण्डेय, उप संचालक स्वाति दुबे, कॉलेज प्राचार्य प्रवीण श्रीवास्तव, रीडर पवन पाण्डेय, नायब तहसीलदार रीडर रमेश श्रीवास्तव, एसडीएम रीडर प्रशांत चौबे, खंड पंचायत अधिकारी सीताराम सोनकर, कमलेश कोरी, अरुण कुमार बुंदेला, ईश्वरदत्त अधिकारी सहित बड़ी संख्या में पटवारी, विभागीय अधिकारी-कर्मचारी और दिनेश सोनकर के परिजन उपस्थित रहे। सभी ने उनके भावी जीवन के लिए उत्तम स्वास्थ्य और उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय रहली में प्रेमचंद जयंती पर संगोष्ठी आयोजित

रहली। शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रहली में हिंदी विभाग एवं स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वावधान में प्रेमचंद जयंती के अवसर पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. प्रवीण श्रीवास्तव ने की। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता के रूप में शासकीय विद्यालय की शिक्षिका सुशी लकी लाक्षाकार ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए प्रेमचंद के व्यक्तित्व एवं कृतित्व, उनके यथार्थवादी साहित्य तथा उनकी रचनाओं की समकालीन प्रासंगिकता पर विस्तार से प्रकाश डाला।कार्यक्रम का संचालन पीयूष जैन, सहायक प्राध्यापक एवं शीतल मिश्रा, अतिथि विद्वान द्वारा किया गया। संगोष्ठी में विद्यार्थियों ने मेरे लिए प्रेमचंद विषय पर अपने विचार भी प्रस्तुत किए तथा प्रेमचंद के साहित्य में निहित सामाजिक सरोकारों और मानवीय दृष्टि पर सार्थक चर्चा की। कार्यक्रम के समापन अवसर पर हिंदी विभाग की सुषमा चौरसिया ने सभी अतिथियों, प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रेमचंद का साहित्य आज भी समाज को दिशा देने की क्षमता रखता है और नई पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत है।



महिला कांग्रेस ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री व सांसद कंगना का पुतला फूँका

हरिभूमि न्यूज ►► सागर

जिला शहर महिला कांग्रेस ने शनिवार को गांधी चौक (मछरयाई) पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रहलाद जोशी और सांसद एवं फिल्म अभिनेत्री कंगना रनौत का पुतला दहन कर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। पुलिस ने पुतला दहन रोकने के लिए हस्तक्षेप किया और वाटर कैनन का उपयोग किया, लेकिन प्रदर्शनकारी पुतला जलाने में सफल रहे। प्रदर्शन का नेतृत्व महिला कांग्रेस की वरिष्ठ नेत्री डॉ. किरण लता सोनी ने किया। कार्यक्रम में जिला शहर कांग्रेस अध्यक्ष महेश जाटव सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

महेश जाटव ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार की नीतियों से शिक्षा व्यवस्था प्रभावित हो रही है। उन्होंने केंद्रीय शिक्षा मंत्री पर निशाना साधते हुए कहा कि उनकी कार्यशैली



से छात्रों और युवाओं का भविष्य प्रभावित हो रहा है। साथ ही सांसद कंगना रनौत के हालिया बयानों की आलोचना करते हुए कहा कि सार्वजनिक जीवन में जिम्मेदारी के साथ बयान दिए जाने चाहिए।

डॉ. किरण लता सोनी ने कहा कि केंद्रीय मंत्री और सांसद के बयानों से महिलाओं और युवाओं की भावनाएं आहत हुई हैं। उन्होंने कंगना रनौत द्वारा कथित तौर पर दिए गए 'जेनरेशन गटर' संबंधी बयान तथा विपक्ष के

नेताओं के प्रति की गई टिप्पणी की निंदा करते हुए सार्वजनिक रूप से माफी की मांग की। उन्होंने केंद्र सरकार पर शिक्षा व्यवस्था, पेपर लीक की घटनाओं और किसानों से जुड़े मुद्दों पर भी सवाल उठाए। प्रदर्शन के दौरान पुलिस और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच कुछ देर तक धक्का-मुक्की की स्थिति बनी रही। कांग्रेस नेताओं का आरोप है कि पुलिस ने प्रदर्शन रोकने के लिए वाटर कैनन का इस्तेमाल किया, जबकि पुलिस ने कानून-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से कार्रवाई की। प्रदर्शन में सेवादल अध्यक्ष सिंदूर कटार, पार्षद सुरेखा राकेश राय, रोशनी वर्सीम खान, नीलोफर चमन अंसारी, रेखा सोनी, शारदा अहिरवार, रेखा अहिरवार, गीता कुशवाहा, अर्चना कनौजिया, प्रदीप गुप्ता, शरद पुरोहित, रमाकांत यादव, हेमराज रजक, वीरेंद्र राजे, नरेंद्र मिश्रा, महेश अहिरवार, प्रशांत सोनी, रवि सोनी, गोपाल प्रजापति, गंगाराम अहिरवार, हरीशचंद्र सोनवार सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल रहे।

04 स्वास्थ्य विभाग में लोकार्गुवत कार्रवाई एक लेकिन रूप...



07 अब आंगनबाड़ी कार्यकर्ता रोकेंगी दूषित जल से होने वाली...



'झोली अपने लिए नहीं, गौ माता के लिए' संत श्री रविशंकर महाराज ने शुरू किया 'एक रोटी गौ माता के नाम' अभियान

सागर। रावतपुरा सरकार के संत श्री रविशंकर महाराज, जो इन दिनों सागर में चातुर्मास कर रहे हैं, शनिवार को शहर के पंतनगर-काकागंज क्षेत्र से निराश्रित गोवंश की सेवा के लिए भावपूर्ण जनजागरण अभियान एक रोटी गौ माता के नाम की शुरुआत की। हाथ में झोली, पैरों में कोई चप्पल नहीं और मुख पर गौसेवा का संदेश लिए संत श्री रविशंकर महाराज स्वयं घर-घर पहुंचें और लोगों से अपने लिए नहीं, बल्कि बेसहारा गौमाता के लिए रोटी और भिक्षा मांगें। संत श्री रविशंकर महाराज ने कहा, यह झोली मेरे लिए नहीं, गौ माता के लिए है। यदि हर परिवार प्रतिदिन केवल एक रोटी गौ माता के नाम निकालने का संकल्प ले ले, तो कोई भी निराश्रित गाय भूखी नहीं रहेगी। उनके इस भावपूर्ण संदेश ने लोगों के हृदय को स्पर्श किया और बड़ी संख्या में परिवार इस अभियान से जुड़ते नजर आए। स्थानीय महिलाओं और श्रद्धालुओं ने अपने घरों के बाहर रंगीली सजाकर, कलश स्थापित कर और पुष्प वर्षा के साथ संत श्री का स्वागत किया। श्रद्धापूर्वक गुड़, रोटियां और गौसेवा के लिए भिक्षा अर्पित की गई। पूरे क्षेत्र में गौ माता की जय और भारत माता की जय के जयघोष गूंजते रहे, जिससे वातावरण भक्तिमय और उत्साहपूर्ण बन गया। संत श्री ने बताया कि इस अभियान का एक वर्ष का संकल्प लिया गया है। इसकी शुरुआत टीकमगढ़ जिले के मातृधाम छिपरी और दलपुरा गांव से हुई थी। अभियान का उद्देश्य सड़कों पर विचरण कर रहे बेसहारा एवं भूखे गोवंश के लिए नियमित भोजन की व्यवस्था करना तथा समाज में गौसेवा और करुणा की भावना को मजबूत करना है। उन्होंने घोषणा की कि अब प्रत्येक शनिवार को सागर नगर के अलग-अलग वार्डों और मोहल्लों में स्वयं पहुंचकर लोगों से एक रोटी गौ माता के नाम का संकल्प दिलाया जाएगा, ताकि यह सेवा अभियान जन-जन का आंदोलन बन सके। अभियान में भक्त सुनील जैन, प्रतिभा चौबे, रतनेश रावत, समर्थ दीक्षित, सुशील पांडेय, भरत तिवारी, नीरज कोरी, गोलू, वरदान भाई पटेल, रामेश्वर चौबे सहित सैकड़ों की संख्या में मातृशक्ति एवं श्रद्धालुओं ने सहभागिता कर गौसेवा का संकल्प दोहराया।



देशभक्ति के जज्बे के साथ मनाया गया कारगिल विजय दिवस, वीर शहीदों को दी श्रद्धांजलि

सागर। शहीद कालीचरण चौक पर कारगिल विजय दिवस के अवसर पर मोमबत्ती जलाकर एवं शहीद कालीचरण तिवारी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कारगिल युद्ध में भारतीय सैनिकों के अदम्य साहस, शौर्य और बलिदान को याद करते हुए उन्हें नमन किया। अधिवक्ता अंकलेश्वर दुबे ने कहा कि 1999 के कारगिल युद्ध में भारतीय सेना ने कठिन परिस्थितियों में दुश्मन के कब्जे वाली चोटियों को मुक्त कर देश का गौरव बढ़ाया। सामाजिक कार्यकर्ता भरत तिवारी ने कहा कि कारगिल विजय दिवस देश के उन वीर जवानों के सर्वोच्च बलिदान का प्रतीक है, जिन्होंने मातृभूमि की रक्षा के लिए अपने प्राण न्योछावर कर दिए। कार्यक्रम में कारगिल शहीद हेमंत कटारिया के परिजनों का शॉल एवं श्रीफल भेंटकर सम्मान किया गया। छात्र-छात्राओं ने देशभक्ति गीत प्रस्तुत कर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। शिवसेना नेता पप्पू तिवारी ने आप्रेशन विजय को भारत के इतिहास का स्वर्णिम अध्याय बताते हुए अमर शहीदों के साहस और बलिदान को नमन किया।इस अवसर पर प्रणय सिंह, गोविंद सैनी, संतोष कुमार, अमित भट्ट, वीरेंद्र अवस्थी, रामकुमार, देवीनाराज, दीपक, रानू जी तिवारी, देवराज यादव, सिद्धार्थ जैन सहित अनेक नागरिक एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।



संत गुरु रविदास समरसता संकल्प कलश यात्रा का सागर में मत्स्य स्वागत

सागर। संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की 650वीं जयंती के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी के श्री गुरु रविदास समरसता संकल्प अभियान के तहत काशी से पवित्र जल, पावन माटी एवं समरसता संकल्प कलश लेकर निकली यात्रा का शनिवार को सागर जिले में भव्य स्वागत किया गया। भाजपा जिला अध्यक्ष श्याम तिवारी एवं नरयावली विधायक एवं अभियान के प्रदेश सह-संयोजक इंजी. प्रदीप लारिया के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं और श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर यात्रा का अभिनंदन किया। यात्रा सबसे पहले नरयावली विधानसभा क्षेत्र के बड़तूमा स्थित निर्माणाधीन संत गुरु रविदास मंदिर पहुंची, जहां आरती-पूजन किया गया। इसके बाद यात्रा मकरोनिया, राजखेड़ी, कबूला पुरी, सदर-अंबेडकर चौराहा और भगवानगंज होते हुए संत गुरु रविदास मंदिर पहुंची। यात्रा सागर समानता, सामाजिक न्याय और मानवता की प्रेरणा देते हैं तथा यह यात्रा उनके संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का माध्यम है। भाजपा जिला अध्यक्ष श्याम तिवारी ने कहा कि समरसता संकल्प अभियान सामाजिक समरसता और राष्ट्रीय एकात्मता को मजबूत करने का जनआंदोलन है।

भ्रष्टाचार की गंगोत्री बनते दिख रहे प्रभारी सीएमएचओ, कलेक्टर बोले विभाग को लिखेंगे पत्र

स्वास्थ्य विभाग में लोकायुक्त कार्रवाई

एक लेकिन रूप दिखे अनेक

हरिभूमि न्यूज़ टीकमगढ़

जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी सीएमएचओ कार्यालय में 31 जुलाई को हुई लोकायुक्त कार्रवाई के दौरान कई अंदरूनी खुलासे हुए, जिसमें लोकायुक्त के चंगुल में तो एक एमपीडब्ल्यू कर्मचारी देशराज घोष रिश्तत लेते हुए रंगे हाथ फंसा लेकिन इस भ्रष्टाचार की गंगोत्री के रूप में विभागीय तौर पर प्रभारी सीएमएचओ डॉं ओपी अनुरागी का नाम प्रमुखता से सामने आता दिखा। साथ ही सीएमएचओ डॉं अनुरागी द्वारा हाईकोर्ट से स्टे लेकर पुनः पद पर बैठने की प्रक्रिया भी संदेह के घेरे में बताई गई।

स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों का कहना है कि शायद उक्त भ्रष्टाचार की गाड़ी मलाई खाने के चक्कर में ही संदेहास्पद तौर पर हाईकोर्ट से स्टे लेकर पुनः पद प्राप्त किया गया है। कुछ दिन पूर्व ही गौर स्वास्थ्य केंद्र में पदस्थ एमपीडब्ल्यू केएल वंशकार द्वारा अपना स्थानांतरण रुकवाने की नीयत से एआई नकनीक का दुरुपयोग करते हुए प्रभारी मंत्री के फर्जी लेटरहेड का उपयोग किया था जिसमें कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय ने सत्यापन के दौरान उक्त फर्जी लेटर को पकड़कर कार्रवाई भी की थी। इस मामले को भी सीएमएचओ डॉं अनुरागी से जोड़ा जा रहा है।

कर्मचारी चढ़ा लोकायुक्त के हथ्थे

लोकायुक्त पुलिस सागर ने शुक्रवार को कार्रवाई करते हुए स्वास्थ्य विभाग के एमपीडब्ल्यू (बहुउद्देश्यीय कर्मचारी) देशराज घोष को 10 हजार रुपए की रिश्तत लेते हुये गिरफ्तार किया था। आरोपी ने छतरपुर जिले के घुवारा निवासी अरविंद राजपूत से कंप्यूटर ऑपरेटर के पद पर नौकरी दिलाने के एवज में 80 हजार रुपए की मांग की थी। शिकायतकर्ता अरविंद राजपूत ने 28 जुलाई को लोकायुक्त एसपी सागर से रिश्तत मांगने की शिकायत की थी। योजना के तहत जैसे ही फरियादी अरबिंद ने आरोपी एमपीडब्ल्यू देशराज घोष को 10 हजार रुपए की पहली किस्त सौंपी, लोकायुक्त टीम ने उससे रंगे हाथ दबोच लिया। उक्त कार्रवाई के दौरान दूसरे शिकायतकर्ता नरेंद्र राजपूत भी सामने आए। उन्होंने आरोप लगाया कि देशराज घोष ने उनसे स्वास्थ्य विभाग में सहायिका की नौकरी लगवाने के नाम पर पहले ही 5 लाख रुपए ले रखे हैं।



अब तक 70 लाख से अधिक की उगाही का आरोप

एमपीडब्ल्यू देशराज को लेकर स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों ने नाम न छापने की शर्त पर जानकारी देते हुये बताया कि सीएमएचओ डॉं अनुरागी के कार्यकाल के दौरान ही एमपीडब्ल्यू देशराज ने अब तक लगभग 70 लाख से अधिक की उगाही की है। यह उगाही नौकरी देने के नाम पर पैसे लेकर की गई। जिनमे से कुछ लोगो को तो नौकरी नसीब हुई लेकिन बाकी लोग या तो अपने पैसे वापिस मांगते घूम रहे हैं और या फिर नौकरी मिलने की आश लगाये बैठे हैं। नौकरी के नाम पर पैसे उगाने का यह मामला तो तब सामने आया जब लोकायुक्त के द्वारा कार्यवाही की गई। अब तो कई लोग सामने आकर बता रहें हैं कि हमारे पैसे भी देशराज ने लिए हैं। स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों की माने तो एमपीडब्ल्यू देशराज की नियुक्ति बड़ागांव स्वास्थ्य केंद्र क्षेत्र में है लेकिन सीएमएचओ डॉं अनुरागी द्वारा अटैचमेंट पर एमपीडब्ल्यू देशराज को सीएमएचओ कार्यालय में पदस्थ कराया गया है। और यह पदस्थाना डॉं अनुरागी द्वारा एमपीडब्ल्यू देशराज से ऐसे ही बहुउद्देशीय कार्य कराने के लिए कराई गई थी। स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों का तो यहां तक कहना है कि एमपीडब्ल्यू देशराज द्वारा कार्यालय का कोई कार्य नहीं किया जाता था। किफा सीएमएचओ डॉं अनुरागी के साथ रहना, उनकी गाड़ी में साथ घूमना, रिश्तत रूपी उगाही करके देना और फायदेमंद फाइले साइन कराना ही एमपीडब्ल्यू देशराज के मल्टीपर्पज अर्थात बहुउद्देशीय कार्य थे।

प्रभारी मंत्री के फर्जी लेटरहेड मामले के तार भी जोड़े जा रहे डॉं अनुरागी से

स्वास्थ्य विभाग में गौर स्वास्थ्य केंद्र पर पदस्थ एमपीडब्ल्यू केएल वंशकार का 7 जुलाई को स्वास्थ्य केंद्र दस्खुवां स्थानांतरण किया गया था। इसी स्थानांतरण को निरस्त कराने के उद्देश्य से कर्मचारी वंशकार ने प्रभारी मंत्री कृष्ण गौर के नाम से एक फर्जी अनुशंसा पत्र तैयार करवाया। इस पत्र में उनके तबादला आदेश को रद्द करने का अनुरोध दर्शाया गया था और इसे स्वास्थ्य विभाग के माध्यम से सीएमएचओ कार्यालय में प्रस्तुत कर दिया गया। बताया गया कि सीएमएचओ कार्यालय ने उक्त फर्जी पत्र की सत्यता की स्वतंत्र पुष्टि किए बिना उसे नॉटबीट के साथ कलेक्टर कार्यालय भेज दिया। लेकिन जब उक्त फर्जी पत्र कलेक्टर के समक्ष पहुंचा तो उसमें प्रभारी मंत्री के नाम की वर्तनी गलत लिखी होने सहित कई अन्य संदिग्ध तथ्य सामने आए। इसी आधार पर कलेक्टर ने तत्काल पत्र की जांच कराने के निर्देश दिए। जांच के दौरान संबंधित विभागों से जानकारी ली गई, जिसमें स्पष्ट हुआ कि प्रभारी मंत्री के नाम से प्रस्तुत किया गया पत्र अधिकृत रूप से जारी ही नहीं किया गया था। इसके बाद प्रशासन ने पत्र को पूरी तरह फर्जी घोषित कर दिया। प्रारंभिक जांच में यह भी सामने आया कि कथित तौर पर ऑटोफिशियल इंटेलेजेंस की सहायता से पत्र तैयार किया गया था। इस संबंध में प्रभारी सीएमएचओ डॉं ओपी अनुरागी का कहना है कि देशराज मेरे कहने पर काम नहीं करता था। मुझ पर जो भी आरोप लगा रहे हैं वो सभी झूठे हैं, भ्रष्टाचार से मेरा कोई लेना देना नहीं है। रही बात हाईकोर्ट के स्टे की सीमा समाप्त होने की तो विभाग मुझे हटा दे, किसी और को प्रभार दे दे।

हाईकोर्ट स्टे को लेकर वकील व

कर्मचारियों ने बताई हकीकत

सीएमएचओ डॉं अनुरागी का प्रभार खत्म करते हुए स्वास्थ्य मंत्रालय ने उन्हें मूल पद पर भेजकर डॉं अमित चौधरी को सीएमएचओ पद का प्रभार देने का आदेश जारी किया था। जिसको डॉं अनुरागी द्वारा हाईकोर्ट में चुनौती देते हुए स्टे ले लिया गया। लेकिन इस स्टे लेने की प्रक्रिया की खामियां बताते हुए विभागीय कर्मचारियों ने बताया कि हाईकोर्ट ने स्वास्थ्य मंत्रालय को यह निर्देश दिया देकर 30 दिन का स्टे दिया था कि डॉं अनुरागी के लंबित अग्रवेदन पर 30 दिवस में ही कानून के अनुसार विचार करे। हाईकोर्ट ने डॉं अनुरागी के मामले गुण व दोष पर कोई राय व्यक्त नहीं की थी। इस आदेश के तहत स्टे की समयसीमा खत्म हो चुकी है लेकिन डॉं अनुरागी अब भी सीएमएचओ पद पर नियम विरुद्ध तरीके से बने हुए है।

इनका कहना है...

टीकमगढ़ सीएमएचओ को लेकर हाईकोर्ट ने जो फैसला दिया है, उसके अनुसार 30 दिन में ही कानूनन विचार करने का फैसला दिया गया है। यह स्टे मात्र 30 दिन तक का है।

शशांक उपाध्याय, हाईकोर्ट अधिवक्ता जलपुर

सीएमएचओ डॉं अनुरागी के मामलो को लेकर विभाग को पत्र लिखूंगा।

विवेक श्रोत्रिय, कलेक्टर टीकमगढ़

लाखों की पानी टंकी बनी शोपीस

पानी के लिए टंकी पर चढ़ी महिलाएं

प्रशासन के खिलाफ खोला मोर्चा



हरिभूमि न्यूज़ टीकमगढ़

जिले के पलेरा जनपद पंचायत क्षेत्र के ग्राम थर में शुक्रवार को लंबे समय से जारी पेयजल संकट को लेकर ग्रामीण महिलाओं का आक्रोश इस समय फूट पड़ा, जब कई महिलाएं गांव में बनी ऊंची पानी की टंकी पर चढ़ गईं। सुबह से भूखी-प्यासी महिलाओं ने टंकी पर बैठकर प्रशासन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया और गांव में नियमित पेयजल आपूर्ति बहाल करने की मांग उठाई। महिलाओं के टंकी पर चढ़ने की खबर मिलते ही गांव में हड़कंप मच गया और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए।

ग्रामीणों का कहना है कि गांव में पेयजल संकट दूर करने के उद्देश्य से लाखों रुपए की लागत से पानी की टंकी का निर्माण कराया गया था। ग्रामीणों को उम्मीद थी कि टंकी बनने के बाद उन्हें घर बैठे नियमित पानी मिल सकेगा, लेकिन लंबे समय बाद भी उनकी उम्मीद पूरी नहीं हुई। ग्रामीणों के अनुसार पानी की टंकी और उससे जुड़ी व्यवस्था होने के बावजूद लोगों को पर्याप्त पेयजल नहीं मिल पा रहा है। हालात यह हैं कि ग्रामीणों को पीने के पानी के लिए दूर-उराज के स्थानों तक जाना पड़ता है। इससे सबसे अधिक परेशानी महिलाओं और बच्चों को उठानी पड़ रही है। ग्रामीणों ने सवाल उठाया कि जब शासन द्वारा पेयजल व्यवस्था के नाम पर लाखों रुपए खर्च किए गए हैं तो आखिर उस व्यवस्था का लाभ गांव के लोगों तक क्यों नहीं पहुंच रहा है? प्रदर्शन कर रही महिलाओं का आरोप है कि

बाल तस्करी के खिलाफ 2030 तक चलेगा अभियान

हरिभूमि न्यूज़ टीकमगढ़

जिले में बच्चों की सुरक्षा एवं संरक्षण के लिए कार्यरत गैरसरकारी संगठन जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन ने विश्व मानव दुर्व्यापार विरोधी दिवस के अवसर पर नई दिल्ली में नेशनल कैपेन अगैस्ट चार्ल्ड ट्रैफिकिंग की शुरुआत के साथ बाल तस्करी के खिलाफ निर्णायक लड़ाई का ऐलान किया है। संगठन ने कहा कि सरकार, प्रशासन और आम नागरिकों के सहयोग से जिले में बच्चों की ट्रैफिकिंग पर पूरी तरह रोक लगाते के लिए व्यापक स्तर पर अभियान चलाया जाएगा। अभियान के तहत एक ओर जहां ग्रामीण एवं कमजोर वर्ग के परिवारों के बीच बाल तस्करी को लेकर जागरूकता अभियान चलाया जाएगा, वहीं दूसरी ओर संभावित ट्रैफिकरों की पहचान कर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई के प्रयास किए जाएंगे।

संगठन का कहना है कि आर्थिक रूप से कमजोर और हथियारे पर रहने वाले परिवारों की पहचान कर उन्हें सरकारी योजनाओं से जोड़ा जाएगा, ताकि बच्चों की पढ़ाई जारी रह सके और वे ट्रैफिकिंग गिरोहों के जाल में फंसेने से बच सकें। बाल तस्करी के खिलाफ यह राष्ट्रव्यापी अभियान वर्ष 2030 तक चलाया जाएगा। अभियान शुरू

करने का निर्णय नई दिल्ली के कांस्टीट्यूशन क्लब में आयोजित चार दिवसीय राष्ट्रीय परामर्श कार्यक्रम में लिया गया। इंशोरिंग ए चार्ल्ड राइट्स, पोटेंशियल एंड प्रास्पेक्टि विषय पर आयोजित इस राष्ट्रीय परामर्श में देश के 782 जिलों से आए सहयोगी संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन नेटवर्क से जुड़े 250 से अधिक नागरिक समाज संगठन देशभर में बाल अधिकारों के संरक्षण के लिए काम कर रहे हैं। संगठन के अनुसार, जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन दुनिया का सबसे बड़ा कानूनी राष्ट्रसंघ कार्यक्रम चला रहा है। इसके सहयोगी संगठनों के प्रयासों से अप्रैल 2023 से दिसंबर 2025 के बीच देशभर में 1,22,516 बच्चों को ट्रैफिकिंग से बचाया गया। टीकमगढ़ जिले में संगठन का सहयोगी संगठन कृषक सहयोग संस्थान बाल संरक्षण के क्षेत्र में कार्य कर रहा है। राष्ट्रीय परामर्श के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर ने कहा कि किसी बच्चे की जिंदगी बचाना सबसे नेक काम है। उन्होंने बाल तस्करी की गंभीरता पर चिंता जताते हुए कहा कि कम उम्र की बच्चियां भी ट्रैफिकिंग का शिकार हो जाती हैं और कई बार अपने घर तक वापस नहीं लौट पातीं। उन्होंने बाल तस्करी के

खिलाफ काम करने वाले नागरिक समाज संगठनों और उनके स्वयंसेवकों के प्रयासों की सराहना की। जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन के निदेशक भुवन रिभु ने कहा कि देश में प्रतिदिन छह बच्चों की ट्रैफिकिंग और पांच बच्चों को जबरन मजदूरी के लिए मजबूर किए जाने की बात सामने आती है। उन्होंने कहा कि सरकारी आंकड़ों के अनुसार हर घंटे 11 बच्चे गुम होते हैं और इनमें से बड़ी संख्या में बच्चे ट्रैफिकिंग का शिकार हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि मानव तस्करी हथियारों और इसके बाद दुनिया की तीसरा सबसे बड़ा संगठित अपराध माना जाता है। इसके निशाने पर विशेष रूप से महिलाएं और बच्चे होते हैं। उन्होंने कहा कि बच्चों को देह व्यापार, भिक्षावृत्ति और बंधुआ मजदूरी जैसे अपराधों में धकेलना मानवता के खिलाफ गंभीर अपराध है। असंगठित क्षेत्र में बच्चों से कराई जाने वाली बाल मजदूरी भी ट्रैफिकिंग का गंभीर स्वरूप है।

भुवन रिभु ने कहा कि बाल तस्क़र किसी दूर-दराज स्थान से नहीं आते, बल्कि कई बार आसपास के ही लोग कमजोर आर्थिक स्थिति वाले परिवारों को नौकरी और बेहतर जीवन का लालच देकर बच्चों को अपने साथ ले जाते हैं। इसके बाद बच्चों को शोषण के अलग-अलग रूपों में धकेल दिया जाता है।

अवैध वनोपज परिवहन के खिलाफ वन विभाग ने की कार्रवाई

सेमल की लकड़ी से भरा ट्रैक्टर किया जब्त

हरिभूमि न्यूज़ पलेरा

अवैध वनोपज परिवहन के खिलाफ वन विभाग ने कार्रवाई करते हुए आईटीआई कॉलेज पलेरा के समीप वाहन जांच के दौरान सेमल की लकड़ी से भरे एक ट्रैक्टर को जब्त किया है। वाहन में वनोपज के परिवहन के लिए आवश्यक वैध अभिवहन अनुज्ञा (टीपी) नहीं पाई गई। वन विभाग ने वाहन एवं लकड़ी को अपनी अभिरक्षा में लेकर वन अपराध प्रकरण दर्ज करते हुए आगे की वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

मुख्य वन संरक्षक छतरपुर वृत्त के मार्गदर्शन एवं वनमंडलाधिकारी टीकमगढ़ के निर्देशन में वन परिक्षेत्र जतारा की टीम द्वारा यह कार्रवाई की गई। जांच के दौरान पावरट्रेक यूरो-50 ट्रैक्टर में सेमल की छह नग लकड़ी का परिवहन किया जा रहा था। जब्त लकड़ी की कुल मात्रा 1.016 घनमीटर बताई गई है। वन विभाग के अनुसार वाहन चालक से लकड़ी के परिवहन से संबंधित वैध दस्तावेज और अभिवहन अनुज्ञा (टीपी) प्रस्तुत करने को कहा गया, लेकिन वह आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध नहीं कर सका। इसके बाद वन विभाग की टीम ने ट्रैक्टर और उसमें लदी



सेमल की लकड़ी को विधिवत जब्त कर लिया। कार्रवाई के संबंध में भारतीय वन अधिनियम 1927 की धारा 41 तथा मध्यप्रदेश अभिवहन (वनोपज) नियम 2000 एवं संशोधित नियम 2022 के तहत कार्रवाई की गई है।

मामले में वन अपराध प्रकरण क्रमांक पीओआर 262/06, दिनांक 1 अगस्त 2026 दर्ज किया गया है। यह कार्रवाई वन परिक्षेत्राधिकारी मुकेश कुमार अहिरवार के नेतृत्व में वन विभाग की टीम ने की। कार्रवाई में जालम प्रजापति, धीरज सोनी, विकास बाबू वर्मा, ललित राय, संजय

दीक्षित, अशोक महान, जयराम अहिरवार, जय प्रकाश यादव, राजकुमार अहिरवार एवं अनिल द्विवेदी सहित वन अमला शामिल रहा। वन विभाग ने जब्त ट्रैक्टर एवं वनोपज को सुरक्षित अभिरक्षा में रखा है। विभाग द्वारा आमजन से अपील की गई है कि वनोपज का परिवहन निष्पारित नियमों के तहत वैध अभिवहन अनुज्ञा (टीपी) एवं आवश्यक दस्तावेजों के साथ ही किया जाए। बिना वैध दस्तावेजों के वनोपज का परिवहन करते पाए जाने पर संबंधित व्यक्ति के खिलाफ नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

विद्यार्थियों को
दिलाई प्रतिज्ञा एवं
नियमों की शपथ

हरिभूमि न्यूज़ बड़ागांव घसान

शासकीय सांदीपनि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बड़ागांव घसान में 1 अगस्त को विश्व स्कार्फ दिवस उत्साह एवं गरिमापूर्ण वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम के दौरान स्काउटिंग के आदर्शों, अनुशासन, सेवा भावना और चरित्र निर्माण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को समाज एवं राष्ट्र के प्रति जिम्मेदार नागरिक बनने का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्राचार्य रामनरेश सिंह राजपूत को स्काउट स्कार्फ पहनाकर किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों को स्कार्फ के महत्व तथा स्काउटिंग के गौरवपूर्ण इतिहास की जानकारी दी गई। बताया गया कि स्काउट स्कार्फ केवल पहचान का प्रतीक नहीं, बल्कि सेवा, अनुशासन, समर्पण और जिम्मेदारी की भावना का भी प्रतीक है। स्काउट प्रभारी शिक्षक सुनील कुमार जैन ने स्काउट एवं गाइड के विद्यार्थियों को प्रतिज्ञा एवं



नियमों की शपथ दिलाई। विद्यार्थियों ने स्काउटिंग के सिद्धांतों एवं आदर्शों का पालन करने के साथ जरूरतमंदों की सेवा, अनुशासन बनाए रखने और समाजहित में कार्य करने का संकल्प लिया। उप प्राचार्य सत्येन्द्र सिंह यादव ने अपने संबोधन में स्काउट आंदोलन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि स्काउटिंग विद्यार्थियों में अनुशासन, आत्मनिर्भरता, सेवा भावना, नेतृत्व क्षमता और अच्छे चरित्र का निर्माण करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने विद्यार्थियों से स्काउटिंग के मूल सिद्धांतों को अपने जीवन में अपनाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम के अंत में विभिन्न

गतिविधियों में शामिल प्रतिभागी विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र वितरित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। इसके साथ ही पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने के उद्देश्य से विद्यालय परिसर में पौधारोपण भी किया गया। विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने लगाए गए पौधों की देखभाल करने तथा पर्यावरण संरक्षण में अपनी भूमिका निभाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर राकेश यादव, प्रियम जैन सहित विद्यालय परिवार के सदस्य, स्काउट एवं गाइड के विद्यार्थी तथा छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम ने विद्यार्थियों में सेवा, अनुशासन और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता का संदेश दिया।

मेडिकल कॉलेज में चलाया गया

बढ़ती उम्र में ऑस्टियोपोरोइसिस करती है अंदर से खोखला : प्राचार्य

हरिभूमि न्यूज़ ललितपुर

स्थानीय मेडिकल कॉलेज में भारतीय ऑर्थोपेडिक एसोसिएशन एवं उत्तरप्रदेश ऑर्थोपेडिक एसोसिएशन के निर्देशन में ललितपुर आर्थोपेडिक क्लब की ओर से एक विशेष जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान चिकित्सकों और चिकित्सकर्मियों को हड्डियों में होने वाली ऑस्टियोपोरोइसिस नामक खामोश बीमारी से होने वाले नुकसान के बारे में बताकर विटामिन-डी3 तथा कैल्शियम का महत्व समझाया गया। ललितपुर मेडिकल कॉलेज में ऑर्थोपेडिक क्लब की ओर से डा.आकाश खैरा ने पावर प्वाइंट प्रिजेंटेशन के माध्यम से बताया कि हड्डियों की ऑस्टियोपोरोइसिस बीमारी क्या होती है।

हड्डियों के मॉडल प्रतिभागियों के हाथ में देकर उसे तोड़कर बीमारी का महत्व समझाया गया और विटामिन डी3 व कैल्शियम की उपयोगिता समझाई गयी। एक पैर पर बैलेंस बनाकर प्रतिभागियों को उनकी क्षमता अहसास कराया गया। जागरूकता पैम्पलेट्स बांटकर जागरूक किया गया। ललितपुर आर्थोपेडिक क्लब के मानद सदस्य प्रधानाचार्य डा.मयंक कुमार शुक्ला ने बताया



कि कैसे ऑस्टियोपोरोइसिस बीमारी आपकी हड्डियों को खोखला कर देती है। उन्होंने प्रमाणपत्र बांटकर क्लब के सदस्यों को सम्मानित किया और कहा कि ऐसे जागरूकता कार्यक्रम होते रहना चाहिये। मंच से ऑर्थो यूनिट हेड डा.सौरभ साहू ने भी पावर प्वाइंट प्रिजेंटेशन के माध्यम से हड्डियों की बीमारी से बचाव और उपचार के बारे में जानकारी साझा की। क्लब के उपाध्यक्ष डा.एमसी गुप्ता ने

कार्यक्रम का संचालन किया। इस दौरान सहायक मैनेजर अनिमेश तिवारी, राजकुमार यादव, आकाश सेन और रिचा व्यास सहयोग रहा। मेडिकल कॉलेज की ओर से विभागाध्यक्ष डा.महेश नवधा, डा.मनोज वर्मा, डा.निर्भय सिंह, डा.शुभम असाठी, डा.रोहित जैन, डा.अनुज, फिजियोथेरेपिस्ट डा.सौरभ देवतलिया के अलावा दर्जनों चिकित्साधिकारी और अधिकारी/ कर्मचारी आदि मौजूद रहे।

क्यों मनाते हैं बोन एंड ज्वाइंट डे

क्लब के सचिव और ऑर्थो सर्जन डा.आकाश खैरा ने बताया कि हर वर्ष 4 अगस्त को बोन एण्ड ज्वाइंट डे मनाया जाता है। जिसमें हड्डी एवं जोड़ रोग के बारे में लोगों को जागरूक किया जाता है। सन 2012 में भारतीय ऑर्थोपेडिक एसोसिएशन के आह्वान पर पहली बार यह दिवस मनाया गया था। इस वर्ष यह जागरूकता कार्यक्रम पूरे माह चलाया गया है। इस दौरान विद्यालयों, कम्पनियों और स्कूलों में हड्डी एवं जोड़ों के स्वास्थ्य के बारे में जागरूक करने के बाद एक विशेष कार्यक्रम मेडिकल कॉलेज में चलाया गया। इस दौरान चिकित्सकर्मियों को पावर प्वाइंट प्रिजेंटेशन के माध्यम से बताया गया कि हड्डियों को स्वस्थ रखने के लिये क्या क्या सरल उपाय किये जा सकते हैं। आगामी 4 अगस्त को चिकित्साधिकारियों का एक और जागरूकता अभियान चलाया जायेगा। प्रधानाचार्य ने कहा कि बोन एण्ड ज्वाइंट डे के अवसर पर ललितपुर आर्थोपेडिक क्लब की ओर से यह उपयोगी आयोजन किया जायेगा।

एफटीके से जल परीक्षण का प्रशिक्षण आयोजित

अब आंगनबाड़ी कार्यकर्ता रोकेंगी दूषित जल से होने वाली बीमारियों को

हरिभूमि न्यूज़
 ▶▶श्योपुर

दूषित जल पीने से होने वाली बीमारियों को रोकने की जिम्मेदारी अब आंगनबाड़ी कार्यकर्ता संभालेंगी। इसके लिए उन्हें पीएचई के माध्यम से जल गुणवत्ता परीक्षण दिया जा रहा है। इस क्रम में विगत दिनों दांतरदा सेक्टर की कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण उपरांत किट का वितरण किया गया। अब यह कार्यकर्ता अपने क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति के सैपल लेकर पता करेंगी कि पानी शुद्ध आ रहा है या अशुद्ध, अगर पानी दूषित है तो उसकी रिपोर्ट विभाग के माध्यम से पीएचई तक भेजी जाएगी जिससे सुधार किया जा सके। यह प्रक्रिया मांसमी जनित बीमारी खासकर डायरिया को रोकने के उद्देश्य किया गया है। जिले की सभी आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को इस तरह के प्रशिक्षण से दक्ष किया जाकर किट वितरण की जाएगी।

दांतरदा सेक्टर की कार्यकर्ताओं को दिए गए प्रशिक्षण में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग



समूह की महिलाओं से कराया सर्वे रहा असफल
 इससे पहले पानी की गुणवत्ता जांचने का काम महिला स्व सहायता समूह से जुड़ी महिलाओं से कराया गया था। नगर पालिका श्योपुर ने इस काम के लिए विभिन्न महिला स्व सहायता समूह से जुड़े महिलाओं को प्रशिक्षण देकर डोर टू डोर पानी की जांच करवाई गई थी महिलाओं ने घर-घर पहुंच कर पानी के सैपल लिए थे और उसकी रिपोर्ट नगर पालिका के माध्यम से पीएचई को भी भेजी थी इस प्रशिक्षण में लीकेज की समस्या से कई जगह दूषित पानी मिला था जिसे नगर पालिका ने मटेनेंस कर ठीक कर दिया प्रक्रिया सकारात्मक दिखी लेकिन महिलाओं को पानी के सैपल लेने और जांचने के लिए जो मानदेय दिया जाना था वह जांच करने के 1 साल बाद भी उन्हें नहीं मिला जिसके कारण यह योजना शुरू होने के साथ ही श्योपुर नगरीय क्षेत्र में बंद भी हो गई।

की जिला सलाहकार आराधना पाराशर तथा आईएसए समन्वयक नीरज श्रीवास्तव द्वारा क्षेत्र परीक्षण

किट (एफटीके) के माध्यम से जल गुणवत्ता परीक्षण का विस्तृत एवं व्यवहारिक प्रशिक्षण दिया

कार्यकर्ता की पकड़ हर घर में इसलिए किया चयन
 आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को यह जिम्मेदारी इसलिए सोपी जा रही है क्योंकि आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की पकड़ हर घर में होती है और उनकी पहुंच घर के चूल्हे तक रहती है। जो वह हर घर से आसानी से सैपल उठा सकती है और हर बस्ती में एक आंगनबाड़ी खुली है जिससे सैपल लाने में परेशानी भी नहीं होगी इससे पहले महिला स्व सहायता समूह को जो जिम्मेदारी दी गई थी वह काम उन्हें मानदेय नहीं मिलने से बांध में ही रुक गया था। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के साथ ऐसा नहीं होगा क्योंकि उन्हें अपने विभाग की मूल सेवाओं के साथ इसे भी उसमें शामिल करना पड़ेगा क्योंकि मांसमी जनित बीमारियों के फैलाने को रोकने के लिए स्वास्थ्य विभाग के साथ महिला बाल विकास भी सहयोगी होता है और इसके लिए उन्हें मानदेय भी मिलेगा देर सवेर होने पर वह काम बंद नहीं करेगी ऐसी उम्मीद शासन को है।

गया। प्रशिक्षण के दौरान बताया गया कि एफटीके के माध्यम से जल के 10 प्रकार के परीक्षण किए जाते हैं तथा प्रत्येक परीक्षण की विधि का विस्तार से प्रदर्शन किया गया। प्रशिक्षण के दौरान आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं से स्वयं भी जल गुणवत्ता परीक्षण कराया गया, जिससे वे अपने-अपने कार्यक्षेत्र में पेयजल की गुणवत्ता की निगरानी कर सकें तथा आवश्यकता पड़ने पर समय रहते संबंधित विभाग को जानकारी उपलब्ध करा सकें।

प्रशिक्षण में बताया गया कि स्टॉप डायरिया अभियान का उद्देश्य केवल जल गुणवत्ता परीक्षण तक सीमित नहीं है, बल्कि समुदाय को सुरक्षित पेयजल, स्वच्छता, हाथ धोने की आदत तथा जलजनित बीमारियों से बचाव के प्रति जागरूक करना भी है। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं से अपने ग्रामों में जनजागरूकता गतिविधियां आयोजित कर अधिक से अधिक लोगों को सहभागिता सुनिश्चित करने का आह्वान किया गया।

प्राचार्य भदौरिया सेवानिवृत्त स्टाफ ने दी भावनीनी विदाई



हरिभूमि न्यूज़
 ▶▶श्योपुर

एक साथ दो स्कूलो शासकीय हाईस्कूल जावदेश्वर एवं शाउमावि सौईकलां का प्रभार संभाल रहे प्राचार्य अनिल सिंह भदौरिया 31 जुलाई को सेवानिवृत्त हो गए हैं। बीती शाम को आयोजित एक विदाई समारोह में स्टाफ ने उन्हें सम्मानित करते हुए भावभीनी विदाई दी गई। साथही उनके 31 साल के कार्यकाल की सराहना करते हुए कहा कि अब शिक्षा विभाग को उनकी कमी खलेगी। विदाई समारोह में संकुल प्राचार्य रश्मि शर्मा, सूबेदार सिंह सिकरवार, रायपुरा हाईस्कूल प्राचार्य ओपी भाटिया, पूर्व सहायक संचालक प्रमोद सिंह सिकरवार,शामावि सौईकलां के

प्रधानाध्यापक अशोक शर्मा सहित अन्य कई शिक्षक मौजूद थे। बता दें कि प्राचार्य अनिल सिंह भदौरिया 1 जुलाई 1995 को बतौर शिक्षक शासकीय सेवा में आए थे। उनकी पहली पदस्थापना शासकीय श्री हाजरेकूल उमावि श्योपुर में हुई। पदोन्नत होने के बाद उन्होंने वर्ष 2003 से 2023 तक शामावि सौईकलां के हेडमास्टर तथा शाउमावि सौईकलां के प्राचार्य की जिम्मेदारी भी उनके द्वारा बखूबी संभाली गई। वर्ष 2023 में पदोन्नत होकर वे शासकीय हाईस्कूल जावदेश्वर के प्राचार्य बन गए। वर्ष 2024 में उन्हें शासकीय उमावि सौईकलां के प्राचार्य का अतिरिक्त प्रभार भी मिल गया। वर्तमान में वे दोनों विद्यालयों का प्रभार देख रहे थे।

कॉलेज में पूर्व प्राचार्य डॉ.विपिन बिहारी शर्मा को दी सम्मानपूर्ण विदाई डॉ.शर्मा का सेवाकाल शिक्षा के साथ-साथ अनुशासन और सामाजिक उत्तरदायित्व का उत्कृष्ट उदाहरण

हरिभूमि न्यूज़
 ▶▶श्योपुर

पीएम कॉलेज ऑफ़ एक्सिलेंस महाविद्यालय, श्योपुर में पूर्व प्राचार्य डॉ. विपिन बिहारी शर्मा के सेवानिवृत्ति पर सम्मान समारोह आयोजित किया गया। जिसमें जिले के विभिन्न शासकीय महाविद्यालयों के प्राचार्यों, प्राध्यापकों, शहर के गणमान्य नागरिकों, महाविद्यालय परिवार एवं डॉ. शर्मा के परिजनों ने सहभागिता करते हुए उनके शिक्षा, समाजसेवा एवं मानवीय मूल्यों से ओतप्रोत जीवन को नमन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के पूजन एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इसके पश्चात उपस्थित अतिथियों द्वारा डॉ. विपिन बिहारी शर्मा का माल्यार्पण, शॉल, श्रीफल, साफ़ा एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मान किया गया। अध्यक्षीय उद्बोधन में कॉलेज प्राचार्य डॉं ओपी शर्मा ने कहा कि डॉ. विपिन बिहारी शर्मा का संपूर्ण सेवाकाल शिक्षा के साथ-साथ मानवीय संवेदनाओं, अनुशासन और सामाजिक उत्तरदायित्व का उत्कृष्ट उदाहरण रहा है। विभिन्न वक्ताओं ने उन्हें एक आदर्श शिक्षक, कुशल प्रशासक, समाजसेवी तथा भगवान श्रीराम के अनन्य भक्त के रूप में स्मरण किया।

वक्ताओं ने कहा कि डॉ. शर्मा ने सदैव विद्यार्थियों और कर्मचारियों के हित को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। प्राचार्य पद संभालने के बाद उन्होंने सबसे पहले अस्थायी कर्मचारियों के वेतन में वृद्धि कर संवेदनशील प्रशासन की मिसाल प्रस्तुत की। उन्होंने लगभग 40 लाख रुपये मूल्य का अपना निजी भूखंड गौशाला के लिए दान किया तथा एक अन्य भूखंड गुरुकुल (वैदिक विद्यालय) की स्थापना हेतु समर्पित किया। शिक्षा एवं समाजसेवा में उल्लेखनीय योगदान के लिए उन्हें प्रतिष्ठित प्रो.सीपी सिकरवार पुरस्कार से भी सम्मानित किया जा चुका है। इस अवसर पर डॉ. विपिन बिहारी शर्मा के सहयोगियों ने उनके साथ बिताए गए संस्मरण साझा किए। अपने भावपूर्ण उद्बोधन में डॉ. विपिन बिहारी



जल संसाधन विभाग से इकबाल सिद्दीकी सेवानिवृत्त
 जल संसाधन विभाग श्योपुर में एसडीओ के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे इकबाल अहमद सिद्दीकी भी अपनी शासकीय सेवा अंतिम पूरी करके 31 जुलाई को रिटायर हो गए हैं। रेखांकित होने पर विभागों, अधिकारियों ने एक विदाई समारोह आयोजित करके उन्हें मादमीनी विदाई दी। विदाई समारोह में जल संसाधन विभाग के कार्यपालन रजिं चैतन्य चौहान,एसडीओ रामादत्त तिवारी, एसडीओ कृष्ण प्रसाद पाठक, प्रतीक्षा अग्रवाल,दिनेश्वर पटाल, कुलदीप शर्मा, दीपक राजपूत, दिशाल आन, विवेक शिंदे, गौर्विंद भदौरिया, फारूक अंसारी, नईरन अंसारी आदि कर्मचारी उपस्थित थे।

शर्मा ने महाविद्यालय परिवार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि शिक्षक का वास्तविक सम्मान उसके विद्यार्थियों की सफलता और उनके संस्कारों में दिखाई देता है। उन्होंने सेवा, नैतिकता, भारतीय संस्कृति एवं राष्ट्र निर्माण के मूल्यों को जीवनभर अपनाने का संदेश दिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ सीमा चौकसे ने किया। आभार प्रदर्शन भीतिकी विभाग के डॉ. वीरेन्द्र सिंह ने व्यक्त किया। अंत में सभी अतिथियों एवं उपस्थितजनों के लिए स्नेहभोज का आयोजन किया गया।

विजयपुर थाना क्षेत्र का मामला, पुलिस ने मर्ग दर्ज कर शुरु की जांच गोहटा में विवाहिता की संदिग्ध मौत मायके पक्ष ने लगाया हत्या का आरोप

हरिभूमि न्यूज़
 ▶▶श्योपुर

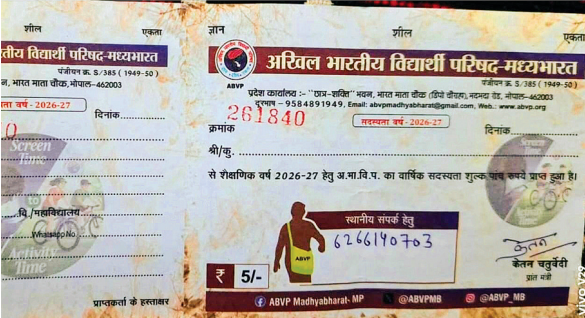
विजयपुर थाना क्षेत्र के ग्राम गोहटा में एक 35 वर्षीय विवाहिता महिला रेवती बाई की संदिग्ध परिस्थितियों के बीच मौत हो गई। विवाहिता की अचानक हुई मौत की खबर सुनकर मायके पक्ष के लोग सकते में आ गए और उन्होंने इसकी सूचना विजयपुर थाना पुलिस को देते हुए आरोप लगाया कि रेवती की ससुरालियों के द्वारा हत्या कर दी गई है। इस सूचना पर गंभीर हुई विजयपुर थाना पुलिस ने विवाहिता के शव को अपनी कस्टडी में लिया और शनिवार की सुबह विजयपुर अस्पताल में उसका पोएम कराने के बाद शव परिजनों को सौंपा। साथही मर्ग दर्ज कर लोगों के कारणों की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार ग्राम गोहटा निवासी रेवती बाई 35 वर्ष पत्नी रामदीन रावत शुक्रवार को



खेत पर गई थी,जहां उसकी अचानक तबीयत बिगड गई। इसके बाद उसका पति रेवती को लेकर विजयपुर अस्पताल पहुंचा। जहां उपचार दिए जाने के बाद भी उसकी स्थिति में कोई सुधार नहीं दिखा तो उसे रेफर कर दिया गया। विवाहिता की पति उसे लेकर सबलगाद के लिए रवाना हो गया। मगर टेंटरा के आसपास रेवती की मौत हो गई। रेवती की मौत हो जाने की खबर किसी के जरिए उसके ग्राम भैसाई निवासी मायके पक्ष के लोगों पर पहुंच गई। जिसके बाद रेवती के मायके पक्ष के लोग सकते में आ गए। इस मामले में रेवती के भाई मुनीराम रावत ने तत्काल पुलिस को

खबर कर दी कि ससुरालियों ने उसकी बहन की हत्या कर दी। जिसकी सूचना उन्हें दूसरे के जरिए मिली। इस सूचना पर विजयपुर थाना पुलिस मायके पक्ष के लोगों के साथ गोहटा पहुंची और शव को पोएम के लिए विजयपुर अस्पताल लेकर आई। इस मामले में विजयपुर थाने के उप निरीक्षक कौशलेन्द्र सिंह राजावत का कहना है कि मायके पक्ष के लोग तो आरोप हत्या करने का लगा रहे हैं। मगर प्रारंभिक जांच के दौरान हत्या किए जाने जैसी कोई स्थिति नहीं मिली है। रेवती को एक दिन पहले बुखार आ गया था,जिसकी दवा लेने के बाद वह शुक्रवार दोपहर को खेत पर चली गई। जहां उसकी तबीयत अचानक बिगड गई। फिलहाल पोएम के बाद शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया और मर्ग दर्ज कर मामले को जांच में लिया है।

बीएसपी नेता ने लगाए सरकारी स्कूल में राजनीतिक गतिविधि के आरोप



हरिभूमि न्यूज़
 ▶▶श्योपुर

बहुजन समाज पार्टी के पूर्व जिला अध्यक्ष मिश्रा लाल बैरवा ने सरकारी स्कूल (सांदीपनि विद्यालय) में राजनीतिक दल से जुड़े संगठनों की गति विधियां करने का आरोप लगाते हुए सोशल मीडिया पर पोस्ट डाली है। हालांकि इस मामले में संबंधित संगठन ने आरोप को निराधार बताया है लेकिन अभिभावक होने के नाते मिश्रालाल के आरोप गंभीर जरूर हैं।

सोशल मीडिया पर बसपा नेता मिश्रा लाल बैरवा ने जो पोस्ट डाली है उसमें एबीवीपी का एक सदस्यता कूपन का फोटो हैं जिस पर मिश्रा लाल ने लिखा है कि यह कूपन सांदीपनि विद्यालय में पढ़ने वाली उनकी बेटी को जबरदस्ती दिया गया है और साथ ही घर से 5 रूपए के साथ कूपन को भरकर लाने को भी कहा गया है इस तरह संगठनात्मक गतिविधियां स्कूल में चलाएं जाने पर मिश्रा लाल ने आपत्ति जताई है हालांकि इस मामले में अब एबीवीपी का कहना है कि वह राजनीतिक

आशवासन मिला पर समस्या जस की तस बनी रहने से बड़ी नाराजगी

हरिभूमि न्यूज़
 ▶▶श्योपुर

23 जुलाई को प्रशासनिक अव्यवस्थाओं से नाराज होकर विजयपुर की पानी की टंकी पर चढ़े भाजपा कार्यकर्ता को प्रशासन ने समझा बुझाकर और आश्वासन देकर टंकी से नीचे तो उतार लिया लेकिन दिए गए आश्वासन को एक पखवाड़ा बीतने के करीब पहुंचने तक समस्या का निराकरण नहीं हुआ। ज्ञात हो कि खुले में मुराा मांस की बिक्री होने से नाराज भाजपा सोशल मिडिया प्रभारी सौरभ जादैन ने टंकी पर चढ़कर विरोध प्रदर्शन किया था इस मामले में अन्य भाजपा नेता और विजयपुरवासियों ने भी उक्त भाजपा कार्यकर्ता की मांग का समर्थन किया था।



पानी की टंकी पर चढ़ने से एक दिन पहले नगर में विशाल जगन्नाथपुरी रथ यात्रा निकाली गई थी यह यात्रा जब बाजार से होकर गुजरी तो खुले में मांस की दुकान दखल महिलाओं ने उलटियां तक कर डाली और कई महिलाओं ने भाजपा नेताओं को इस अव्यवस्था पर खूब

कोसा। इससे खिन्न होकर दूसरे ही दिन उक्त भाजपा नेता ने टंकी पर चढ़कर विरोध प्रदर्शन कर दिया था एसडीएम के निर्देश पर मौके पर पहुंचे तहसीलदार ने समझा बुझाकर कार्यकर्ता को टंकी से नीचे उतार लिया और सोमवार को सीएमओ के आगे के बाद उक्त दुकानों को हटाने या व्यवस्थित करने का आश्वासन दिया था लेकिन दो दिन बाद सोमवार निकल गया और फिर सोमवार आने वाला है लेकिन समस्या का निराकरण अभी तक नहीं हुआ आज भी खुले में मुर्ग काटकर रखे बेचे जा रहे हैं जिससे मुख्यमंत्री के उस निर्देश की भी अवहेलना भी हो रही है जिसमें मांस मछली अंडा का व्यवसाय हटाने में नहीं करने के निर्देश दिए गए हैं।

एसडीएम ने किया जिला अस्पताल का निरीक्षण साफ-सफाई की व्यवस्था को बेहतर बनाने के निर्देश

हरिभूमि न्यूज़
 ▶▶श्योपुर

कलेक्टर शीला दाहिमा के निर्देश पर शनिवार को एसडीएम गगन सिंह मीणा ने जिला चिकित्सालय का निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं एवं सुविधाओं का जायजा लिया। इस अवसर पर सिविल सर्जन डॉ. एसएन बिंदल, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.जे.एन.सक्सेना, आरएमओ डॉ. गर्जेंद्र सिंह धाकड़ आदि उपस्थित रहे। एसडीएम गगन सिंह मीणा द्वारा जिला चिकित्सालय में निरीक्षण के दौरान जनरल ओपीडी का अवलोकन किया गया। उन्होंने अस्पताल परिसर का भ्रमण करते हुए साफ-सफाई व्यवस्था का जायजा भी लिया। उन्होंने कहा कि, अस्पताल में आने वाले रोगियों के परिजनों को भी साफ-सफाई के लिए प्रेरित किया जाए। इस दौरान उन्होंने जनरल वाईड, आईसीयू, पीडियाट्रिक आईसीयू, एसएनसीयू, मेररनटी



स्कूल परिसर में उंगे झाड़ झंखाड़,बच्चों को सता रहा सांप बिच्छू का डर

श्योपुर ान शिक्षा केन्द्र दोहदर के अंतर्गत आने वाले ग्राम सेमल्ला के शासकीय माध्यमिक विद्यालय के परिसर और विशेषकर शैवालय के रास्ते में बहुत अधिक झाड़-झंखाड़ उग आए है। इस कारण वहां असुरक्षा का माहौल रहता है। इस तरह की शिकायत ग्रामीणों ने करते हुए बताया है कि स्कूल परिसर में बहुत अधिक झाड़-झंखाड़ उग आए है। जिसकारण स्कूली बच्चों को शैवालय तक जाने में जहरीले जीवों (सांप-बिच्छू) का डर बना रहता है, जिससे वे शैवालय जाने से कतरा रहे हैं। स्कूल प्रबंधन इस मामले में उदासीनता दिखा रहा है। यह उदासीनता बच्चों के साथ किसी तरह कोई अनहोनी घटना घटित कर सकती है। ग्रामीणों ने इस मामले में वरिष्ठ अधिकारियों से ध्यान देकर सुधार की मांग की है।



शनिवार को एसपी ने किया महिला थाने का वार्षिक निरीक्षण

नवागत एसपी कर रहे थानों का निरीक्षण, थाना प्रभारियों के साथ स्टाफ की भी बढ़ गई धडकनें

हरिभूमि न्यूज़
 ▶▶श्योपुर

इन दिनों जिलेभर के पुलिस थानो में पदस्थ थाना प्रभारियों सहित थानो के स्टाफ की धडकने बढी हुई नजर आ रही है। इसकी वजह इन दिनों नवागत पुलिस कप्तान मोतीउर रहमान के द्वारा किए जा रहे थानो का निरीक्षण है। निरीक्षण के इसी क्रम में शनिवार को नवागत एसपी ने जिला मुख्यालय स्थित महिला पुलिस थाने का निरीक्षण किया। इसके पहले वे दो थानों का निरीक्षण कर चुके हैं और आगे भी एसपी किसी भी थाने का निरीक्षण करने के लिए पहुंच सकते हैं। इसको लेकर सभी थानों में स्टाफ के द्वारा रिकार्ड की दुरुस्त किए जाने के साथही अन्य कार्रवाईयों को भी बेहतर से बेहतर किए जाने का कार्य किया जा रहा है। थाना प्रभारियों के साथही थाना स्टाफ को यह उर सता रहा है कि यदि कप्तान के निरीक्षण के दौरान



सेसईपुरा और कराहल थाने का कर चुके है निरीक्षण
 महिला थाने का निरीक्षण करने से पहले पुलिस कप्तान मोतीउर रहमान शुक्रवार को जहां सेसईपुरा थाने का वार्षिक निरीक्षक चुके है। वहीं इसके पहले कराहल थाने का औचक निरीक्षण भी कर चुके है। दोनों पुलिस थानो के निरीक्षण के दौरान पुलिस कप्तान ने जहां थाने की व्यवस्थाओं को देखने के साथही थाने के रिकार्ड को भी चैक किया। वहीं पुलिसिंग में कयावट और व्यवहार में मधुरता लाने के निर्देश थाना स्टाफ को प्रदान किए।

कोई कमी मिल गई तो थाने से हटने में देर नहीं लगेगी। नवागत पुलिस कप्तान मोतीउर रहमान ने थाना प्रभारियों की

परिचयात्मक बैठक में अपने कार्य करने की शैली से सभी थाना प्रभारियों को परिचित कराने के बाद अब थानों का निरीक्षण करना शुरू

कमजोर कार्रवाई वाले थाना प्रभारियों को छिन सकती है कुर्सी
 पुलिस सुत्रों की माने तो पुलिस कप्तान इन दिनों पुलिस थानों का निरीक्षण करते हुए थानों की व्यवस्थाओं को चैक कर रहे हैं। वहीं थानेवार दर्ज हो रहे अपराधों की समीक्षा भी कर रहे हैं। साथही नशे के खिलाफ कार्रवाई में सख्ती लाने के निर्देश भी जारी कर रहे हैं। उनके निर्देशों का किस थाने में कितनी गंभीर के साथ पालन करते हुए कार्रवाई की जा रही है,इसकी समीक्षा करने के बाद पुलिस कप्तान थानों में प्रभारियों की बदली कर सकते हैं। बताया जा रहा है कि समीक्षा के दौरान जिस थाना प्रभारी की कार्रवाई कमजोर पाई जाएगी,उस थाना प्रभारी की कुर्सी छिन सकती है।

कर दिया है। इसी क्रम में शनिवार को पुलिस कप्तान मोतीउर रहमान महिला थाने का औचक निरीक्षण करने के लिए पहुंच गए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने थाने का रिकार्ड देखने के साथही अपराधों के निराकरण की स्थिति भी देखी। साथही साफ सफाई सहित अन्य कई व्यवस्थाएं भी देखी। उन्होंने थाना प्रभारी यास्मीन खान सहित थाना स्टाफ को निर्देश दिए कि थाने में भी महिला अपनी परेशानी लेकर आए,उसकी परेशानी के निराकरण के लिए गंभीरता के

साथ कार्रवाई की जाए।साथही उनके प्रति अपना व्यवहार भी मधुर रखा जाए। एसपी ने थाने को और अपडेट किए जाने के निर्देश दिए। इस अवसर पर निरीक्षक को भी निर्देश दिए कि महिला थाने में मौजूद काउंसिलिंग हाल को जल्द अपडेट किया जाए। उन्होंने उपलब्ध कार्यक्रमों को फिर रहने की नसीहत देते हुए उनकी समस्याएं भी सुनी और उनका समाधान शीघ्र किए जाने के निर्देश दिए। इसके साथही एसपी ने एसबी कार्यालय का भी निरीक्षण किया।

खबर संक्षेप

मारपीट की घटनाओं के कई मामले दर्ज



अशोकनगर। जिले के विभिन्न क्षेत्रों में मारपीट की घटनाओं के कई मामले दर्ज किए गये हैं। जिले के देहात थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम रुहना निवासी मोहन पाल ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि आरोपी जितेंद्र, अरविंद, राहुल और छोटू अहिरवार ने उससे मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। जिले के चंदेरी थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम छपरा निवासी बृजभान यादव ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि आरोपी छोटे राजा, भागवती बाई, केशकली बाई और बबीता बाई यादव ने उससे मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। इसी घटना में दूसरे पक्ष की ओर से सुमित शर्मा ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि अशोक, नवदीप, राजदीप और स्वदीप शर्मा ने उससे मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। जिले के ईसागढ़ थाने के अंतर्गत ग्राम डेलकवर थाना क्रांति लोधी क्षेत्र के अंतर्गत निवासी ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि आरोपी प्रकाश लोधी ने उससे मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। जिले के कदवाया थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम महेदी निवासी ओमप्रकाश यादव ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि आरोपी धर्मेन्द्र यादव ने उससे मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। जिले के कदवाया थाना क्षेत्र के अंतर्गत शर्करा निवासी मिथुन केवट ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि आरोपी रिकू यादव ने उससे मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। जिले के बहादुरपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम बरखंडा जमाल निवासी हेमलता अहिरवार ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि आरोपी उसके पति माखन सिंह अहिरवार ने उससे मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी।

आवारा व निराश्रित गोवंश को लेकर प्रशासन की कार्रवाई

गुना। शहर एवं जिलेभर में सड़कों पर आवारा और निराश्रित गोवंश छोड़ने वालों के खिलाफ प्रशासन ने कड़ा रुख अपना लिया है। कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल के निर्देशों और एसडीएम शिवानी पांडे की सख्ती के बाद अब धरातल पर कार्रवाई शुरू हो गई है। इसी क्रम में एसडीएम शिवानी पांडे द्वारा गठित दल ने संयुक्त रूप से आवारा गोवंश के संबंध में कार्यवाही की गई। ग्राम पंचायत बिलौनिया की गोशाला के क्षेत्र में दो खंभा तिराहे पर हाथ ठेला वालों के द्वारा फेंके जाने वाले सामान के कारण आवारा एवं निराश्रित गोवंश वहां पर इकट्ठा हो जाता था। अधिकारियों द्वारा हाथ ठेला वालों को चेतावनी देते हुए जुर्माने की कार्यवाही की गई। इस दौरान 850 रुपए की चालानी कार्यवाही की गई।

ट्रेन पर लटके मिले युवक की हुई पहचान, 14 जुलाई से था लापता, शव परिजनों को सौंपा

हरिभूमि न्यूज़ ►►बीना

गुरुवार देर रात पुष्पक एक्सप्रेस के जनरल कोच में शौचालय की खिड़की से गमछे का फंदा बनाकर एक अज्ञात युवक का लटका हुआ शव मिला था। जिसकी पहचान मृतक के पिता एवं बड़े भाई ने गुरुवार सिंह पिता कुंजीलाल निवासी रंगवेल थाना कुसमुंडा जिला कोरबा छत्तीसगढ़ के रूप में की है। जीआरपी ने मर्ग कायम कर सिविल अस्पताल में मृतक का पीएम करने के बाद मृतक के शव को पिता कुंजीलाल एवं बड़े भाई को सुपुर्द किया गया है। जिसके बाद परिजन शव को अपने गांव ले गए हैं। मृतक के पिता कुंजीलाल ने जीआरपी को बताया कि मृतक का मानसिक संतुलन ठीक नहीं था। अधिक शराब पीने लगा था। जो 14 जुलाई से घर से लापता था। जिसे खोजने के बाद जब उसका पता नहीं चला तो 25 जुलाई



को गुमशुदगी दर्ज की गई थी। यह था मामला- गुरुवार को ट्रेन नंबर 12534 मुंबई-गोमती नगर पुष्पक एक्सप्रेस जब कुरवाड़ कैथोरिया के पास थी। तब ट्रेन के गार्ड को अपनी बोगी से लगे जनरल कोच के शौचालय की खिड़की से एक व्यक्ति को फंदे पर लटका हुआ देखा। ट्रेन का नियमित ठहराव बीना स्टेशन पर नहीं होने के बावजूद ट्रेन को रात करीब 12:15 बजे प्लेटफॉर्म नंबर-4 पर रोका गया। जीआरपी ने पंचनामा तैयार करने के बाद शव को नीचे उतारा और सिविल अस्पताल की मर्चुरी में सुरक्षित रखवा दिया। प्रारंभिक जांच में मृतक की पहचान नहीं हो सकी थी, लेकिन उसकी तलाशी के दौरान एक आधार कार्ड मिला था। जिसके आधार पर जीआरपी परिजनों को खोज रही थी। जांच के दौरान परिजनों की जानकारी लगने पर उन्हें सूचना दी गई।

गुरुवार देर रात पुष्पक एक्सप्रेस के जनरल कोच में शौचालय की खिड़की से गमछे का फंदा बनाकर एक अज्ञात युवक का लटका हुआ शव मिला था। जिसकी पहचान मृतक के पिता एवं बड़े भाई ने गुरुवार सिंह पिता कुंजीलाल निवासी रंगवेल थाना कुसमुंडा जिला कोरबा छत्तीसगढ़ के रूप में की है। जीआरपी ने मर्ग कायम कर सिविल अस्पताल में मृतक का पीएम करने के बाद मृतक के शव को पिता कुंजीलाल एवं बड़े भाई को सुपुर्द किया गया है। जिसके बाद परिजन शव को अपने गांव ले गए हैं। मृतक के पिता कुंजीलाल ने जीआरपी को बताया कि मृतक का मानसिक संतुलन ठीक नहीं था। अधिक शराब पीने लगा था। जो 14 जुलाई से घर से लापता था। जिसे खोजने के बाद जब उसका पता नहीं चला तो 25 जुलाई

करैरा में करोड़ों की सरकारी जमीन पर बड़ा फर्जीवाड़ा!

बंद सर्वे नंबर के सहारे एनएच-27 की कीमती जमीन बेचने का आरोप, एफआईआर की मांग

हरिभूमि न्यूज़ ►►करैरा

तहसील अंतर्गत हल्का सिल्लारपुर में सरकारी राजस्व अभिलेखों में हेराफेरी, कूट-रचना (फोर्जरी) और दस्तावेजों से छेड़छाड़ कर करोड़ों रुपये मूल्य की प्राइम लोकेशन जमीन के अवैध विक्रय का बड़ा मामला उजागर हुआ है। शिकायतकर्ता महेश अहिरवार ने अनुविभागीय अधिकारी (SDM) करैरा को शिकायती आवेदन सौंपकर पूरे प्रकरण की उच्च स्तरीय जांच कराने और जिम्मेदार अधिकारियों व भू-माफियाओं पर भारतीय न्याय संहिता (BNS) के तहत FIR दर्ज कराने की मांग की है।

निष्क्रिय सर्वे नंबर पर मिली अनुमति, नए सर्वे नंबर पर कर दिया ट्रांसफर

मामला सिल्लारपुर स्थित सर्वे नंबर 379/2 और 379/3 से जुड़ा हुआ है। आरोप है कि कंचन पुत्र कोमल सिंह लोधी द्वारा 20 जून 2011 को कलेक्टर शिवपुरी के समक्ष प्रकरण (क्रमांक 6/08-09/अ-21(2)) दायर कर सर्वे नंबर 379/2 (रकबा 0.40 हेक्टेयर) की बिक्री अनुमति प्राप्त की गई थी। जबकि सरकारी रिकॉर्ड के अनुसार, अनुमति मिलने से पहले ही सर्वे नंबर 379/2



निष्क्रिय (बंद) हो चुका था। शिकायत के अनुसार, वर्ष 2011 में अस्तित्व में आए नए सर्वे नंबर 379/3 को हड़पने की नीयत से तत्कालीन पटवारी और राजस्व अमले की साटगांठ से बंद हो चुके सर्वे नंबर 379/2 की बिक्री अनुमति को फर्जी तरीके से नए सर्वे नंबर 379/3 पर दर्ज दिखा दिया गया।

एनएच-27 की करोड़ों की जमीन, दिखाया 1 किमी दूर

सक्षम प्राधिकारियों को गुमराह करने के लिए आवेदन में जमीन की स्थिति नेशनल हाईवे से लगभग 1 किलोमीटर दूर दर्ज कराई गई थी। जबकि वास्तविकता यह है कि यह बेशकीमती जमीन नेशनल हाईवे-27 (NH-27) के बिल्कुल मुहाने पर स्थित है, जिसकी वर्तमान बाजार कीमत करोड़ों

रुपये में है।

कूट-रचित आदेशों से सिलसिलेवार बिक्री

फर्जी प्रविष्टियों के आधार पर जमीन की लगातार खरीदी-बिक्री की गई। पहला नामांतरण: तहसीलदार के आदेश (प्रकरण 36/2009-10/अ-3, दिनांक 28.09.2011) और नामांतरण प्रकरण 20 (दिनांक 20.02.2014) के जरिए 1/2 हिस्सा (0.20 हेक्टेयर) अनिल कुमार पुत्र मनीराम वैश्य के नाम दर्ज कराया गया। अवैध पुनर्विक्रय: इसके बाद तहसीलदार करैरा के प्रकरण (0231/4-6/2022-23, आदेश दिनांक 23.05.2022) के माध्यम से उक्त जमीन का दोबारा अवैध विक्रय कर दिया गया।



महाविद्यालय में वनस्पति विभाग ने पर्यावरण संरक्षण के तहत किया पौधारोपण

अशोकनगर। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सलेंस शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय अशोकनगर के वनस्पति विभाग द्वारा पर्यावरण शिक्षण एवं संरक्षण कार्यक्रम एक पेड़ मां के नाम एवं सरस्टेनेबल एनवायरनमेंट अवेयरनेस ड्राइव के अंतर्गत पौधारोपण गतिविधि का आयोजन, साईंस ब्लॉक, महाविद्यालय प्रांगण में किया गया। जिसमें महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ रेनु राजेश एवं स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे। इस गतिविधि में महाविद्यालय के पूर्व छात्र श्री शुभम अग्निहोत्री (सहायक संचालक, उद्योग विभाग, श्योपुर) द्वारा भी पौधारोपण किया गया। इस गतिविधि में नीम के पेड़ के अतिरिक्त मेडिसिनल प्लांट्स जैसे मिठे नीम के बीज रोपे गये, पथर चट्टा एवं इन्सुलीन आदि के पौधे लगाये गये। पौधारोपण से पर्यावरण संरक्षण का संदेश आज की वातावरण की बिगड़ती परिस्थितियों को नियंत्रित करने के लिये अति आवश्यक है। कहीं अति वर्षा, कहीं सूखा, बढ़ता तापमान ये सभी पर्यावरण के बिगड़ते स्वरूप को दर्शाते हैं।

मलबे की सफाई के दौरान फर्श टूटने से नीचे दिखी अजीब आकृतियां

प्राचीन बिहारी जी मंदिर में निर्माण के दौरान धंसी जमीन, रहस्यमयी तहखाना मिलने की चर्चा !

हरिभूमि न्यूज़ ►►अशोकनगर

चंदेरी नगर के डोलिया गेट स्थित ऐतिहासिक व अति प्राचीन श्री बिहारी जी मंदिर परिसर में चल रहे निर्माण कार्य के दौरान एक रहस्यमयी घटना सामने आई है। मंदिर समिति द्वारा पुरानी जर्जर दुकानों का जीर्णोद्धार व नई दुकानों का निर्माण कराया जा रहा था। इसी दौरान बीते 17 तारीख को जब मजदूर सफाई कर मलबा हटा रहे थे, तभी अचानक जमीन का फर्श टूटकर नीचे धंस गया। जब काम कर रहे मिस्त्री और बेलदारों ने नीचे झांककर देखा, तो वहां एक गहरा स्थान नजर आया। सूचना मिलने पर मंदिर समिति के लोग मौके पर पहुंचे। इसके बाद जब



एक कारीगर हिम्मत जुटाकर नीचे उतरा, तो उसने वहां प्राचीन व अजीब किस्म की आकृतियां बनी देखीं। कारीगर के अनुसार, नीचे से एक सांप भी निकला, जिसके बाद भगवान का नाम लेकर वह तुरंत ऊपर लौट आया। सुरक्षा के लिहाज से उस जगह को फिलहाल अस्थायी रूप से ढंक दिया गया।

इलाके में खजाने की अफ़वाह, अमला मुस्तेद



घटना की खबर जंगल में आग की तरह पूरे नगर में फैल गई और परिसर में गुप्त खजाना होने की चर्चाएं जोर पकड़ने लगीं। मामले की गंभीरता को देखते हुए मंदिर समिति के सदस्यों ने दोपहर लगभग 1 बजे एसडीएम को घटनाक्रम से अवगत कराया। सूचना मिलते ही एसडीएम महीष धनगर, तहसीलदार द्वितीय द्रोणा, एसडीओपी महेश शर्मा और थाना प्रभारी प्रशांत यादव पुलिस बल तथा आर्कियोलॉजिकल डिपार्टमेंट (पुरातन विभाग) के स्थानीय अधिकारियों के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया।

कठोर कार्रवाई की मांग

नाबालिग से दुष्कर्म प्रकरण में सकल हिंदू समाज ने सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज़ ►►अशोकनगर



सकल हिंदू समाज ने नाबालिग बालिका से कथित दुष्कर्म एवं अपहरण के मामले में जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर आरोपी के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की मांग की। ज्ञापन में कहा गया कि नाबालिग बालिका के साथ कथित रूप से दुष्कर्म किया गया, उस पर विवाह का दबाव बनाया गया तथा उसे बहला-फुसलाकर अपने साथ ले जाने का प्रयास किया गया।

संगठन ने बताया कि पुलिस अधीक्षक राजीव कुमार मिश्रा के निर्देशन में कोतवाली पुलिस ने आरोपी राज खान को ब्यावर से गिरफ्तार किया है। सकल हिंदू समाज ने इस कार्रवाई का स्वागत करते हुए मामले की निष्पक्ष जांच और दोषी के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग की। ज्ञापन में संगठन ने आरोप लगाया कि इस प्रकार की घटनाओं के माध्यम से नाबालिग लड़कियों को निशाना बनाया जाता है। संगठन ने मांग की है कि मामले की गहन जांच की जाए तथा यदि जांच में किसी संगठित आपराधिक गतिविधि या धर्मांतरण से जुड़े तथ्यों की पुष्टि होती है, तो संबंधित आरोपियों के विरुद्ध कानून के अनुसार कठोर कार्रवाई की जाए। संगठन ने आरोपी की कॉल डिटेल्स की जांच, राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) के तहत कार्रवाई तथा अन्य वैधानिक कदम उठाने की भी

मांग की। इसके अलावा आरोपी के मकान पर बुलडोजर कार्रवाई की मांग भी ज्ञापन में की गई।

सकल हिंदू समाज के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दीपक मिश्रा ने कहा कि महिलाओं एवं बालिकाओं के विरुद्ध अपराधों पर सख्त कार्रवाई आवश्यक है। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों की निष्पक्ष जांच कर दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाई जाए, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। उन्होंने कहा कि सकल हिंदू समाज इस घटना की घोर निंदा करता है और दोषियों के विरुद्ध कठोरतम कानूनी कार्रवाई की मांग करता है। ज्ञापन के दौरान सकल हिंदू समाज के प्रतिनिधियों में बलवीर अमाही, केवल रजक (गोशाला), राजू खिमलासा, राजेश पलकाटोरी, अर्जुन रावसर, महेश हैदर, भैयालाल प्रानपुर, गोलू हिमजा, मिथुन गदुली, मुरारीलाल गहोरा, जयनारायण शाख्य, रामकृष्ण ट्रेलर, दीपक सोलंकी, हरवीर समरखड़ी, धर्मेन्द्र हुंरेंरी आदि रहे मौजूद।

इनका कहना है

राष्ट्र मामला हमारे सज़ान में आया है। चूंकि मंदिर काफी प्राचीन है, इसलिए हमने तुरंत आर्कियोलॉजिकल डिपार्टमेंट मोपाल को सूचना दे दी है। गोपाल से विशेषज्ञों की टीम अफर स्थल का निरीक्षण और वैज्ञानिक जांच करेगी। जांच के बाद ही वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो पाएगी कि वहां क्या है। फिलहाल सुरक्षा की दृष्टि से जगह को सील कर सीसीटीवी से निगरानी रखी जा रही है।

महीष धनगर, एसडीएम चंदेरी।

गुरुवार देर रात पुष्पक एक्सप्रेस के जनरल कोच में शौचालय की खिड़की से गमछे का फंदा बनाकर एक अज्ञात युवक का लटका हुआ शव मिला था। जिसकी पहचान मृतक के पिता एवं बड़े भाई ने गुरुवार सिंह पिता कुंजीलाल निवासी रंगवेल थाना कुसमुंडा जिला कोरबा छत्तीसगढ़ के रूप में की है। जीआरपी ने मर्ग कायम कर सिविल अस्पताल में मृतक का पीएम करने के बाद मृतक के शव को पिता कुंजीलाल एवं बड़े भाई को सुपुर्द किया गया है। जिसके बाद परिजन शव को अपने गांव ले गए हैं। मृतक के पिता कुंजीलाल ने जीआरपी को बताया कि मृतक का मानसिक संतुलन ठीक नहीं था। अधिक शराब पीने लगा था। जो 14 जुलाई से घर से लापता था। जिसे खोजने के बाद जब उसका पता नहीं चला तो 25 जुलाई

को गुमशुदगी दर्ज की गई थी। यह था मामला- गुरुवार को ट्रेन नंबर 12534 मुंबई-गोमती नगर पुष्पक एक्सप्रेस जब कुरवाड़ कैथोरिया के पास थी। तब ट्रेन के गार्ड को अपनी बोगी से लगे जनरल कोच के शौचालय की खिड़की से एक व्यक्ति को फंदे पर लटका हुआ देखा। ट्रेन का नियमित ठहराव बीना स्टेशन पर नहीं होने के बावजूद ट्रेन को रात करीब 12:15 बजे प्लेटफॉर्म नंबर-4 पर रोका गया। जीआरपी ने पंचनामा तैयार करने के बाद शव को नीचे उतारा और सिविल अस्पताल की मर्चुरी में सुरक्षित रखवा दिया। प्रारंभिक जांच में मृतक की पहचान नहीं हो सकी थी, लेकिन उसकी तलाशी के दौरान एक आधार कार्ड मिला था। जिसके आधार पर जीआरपी परिजनों को खोज रही थी। जांच के दौरान परिजनों की जानकारी लगने पर उन्हें सूचना दी गई।

हरिभूमि न्यूज़ ►►अशोकनगर

जिला बारिश की कमी से जूझ रहा है, बारिश की कमी से जल स्रोत संकट के दौर से गुजर रहे हैं किसानों की फसल भी अच्छी स्थिति में नहीं हैं। इन सब के साथ उमस भरी गर्मी के कारण लोग परेशान है कई लोगों को बेचैनी और घबराहट की शिकायत भी हो रही हैं। बारिश नहीं होने के कारण आमजन बीमारियों से शिकार हो रहे हैं।

घटाएं आती हैं और चली जाती हैं

अशोकनगर जिले में वर्षा की कमी इस बार एक जैसी नजर आ रही है उसे देखते हुए लग रहा है कि अशोकनगर जिले में मानसून आया ही नहीं है जो भी वर्षा हो रही है वह टुकड़ों में और खंड-खंड वर्षा के रूप में हो रही है। इस वर्षा के कारण पानी की कमी बनी हुई है जब भी आकाश में बादल आते हैं ऐसा लगता है बारिश का मौसम बन रहा है। शहर के लोग अलर्ट हो जाते हैं और खुशी जाहिर करते हुए इस बात की प्रतीक्षा करते हैं कब शहर के आसपास पर आने वाली काली घटाएं बरसे। लेकिन काली घटाएं आती है



और आकर चली जाती है अगर घटाएं आती भी है तो 15 से 20 मिनट वर्षा होती है और वर्षा का दौर खत्म हो जाता है।

शुक्रवार को मात्र 20 मिनट वर्षा हुई और घटाएं चली गईं

जिले में यह वर्षा अगर एक स्थान पर हो रही है तो दूसरे स्थान पर नजर नहीं आती इस वर्षा के कारण ऐसा ही सबकुछ शुक्रवार को देर शाम शहर में देखने को मिला। 15 मिनट बारिश हुई, लग रहा था कि अच्छी वर्षा होगी लेकिन ऐसा नहीं हुआ। हालांकि लोगों ने इस वर्षा से राहत महसूस की है लेकिन वर्षा की जरूरत जिले को है वह पूर्ति नहीं हो पा रही

है। लोग इस बात का इंतजार कर रहे हैं कि कब मेघ मल्हार के गीत गाए जाएं कब वर्षा हो और कब प्रकृति एक नए परिधान से सुसज्जित हो जाए।

अगस्त का महीना ही कर सकता है बारिश की कमी की पूर्ति

इस बात की सभी को प्रतीक्षा है इसी प्रतीक्षा में जून और जुलाई के महीने गुजर गए हैं अगस्त का महीना शुरू हो गया है सावन का महीना बरसात का महीना कहा जाता है अब सब कुछ अगस्त के महीने पर निर्भर है, अगर अगस्त का महीना अशोकनगर जिले में मेहरबान होता है तो वर्षा की कमी इस



महीने में पूरी हो सकती है।

मण्डी के पुराने नैन गेट के सामने का रास्ता बारिस में गुसीबत बना

शुक्रवार की शाम को 20 मिनट वर्षा हुई, वर्षा के बाद शहर में कई स्थान ऐसे भी हैं जिनमें नगर पालिका दुरुस्त कर चुकी है। उससे जरूर लोगों को राहत मिली है, लेकिन अशोकनगर की पुरानी मंडी जाने वाले मार्ग पर डामिरीकरण नहीं होने के कारण मंडी से आने वाले लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

स्वराज शोरूम से मंडी के गेट तक सड़क का निर्माण नहीं हुआ है जबकि बायपास रोड से सड़क का निर्माण मंडी तक हो चुका है। जो मंडी का पहले मुख्य द्वार हुआ करता था उस सड़क पर मुख्य द्वार के बाहर भी पानी भर रहा है और सड़क के बीच में बड़े-बड़े गड्ढे होने के कारण यहां भी पानी भरा हुआ होने से लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। अगर इस मार्ग पर भी सड़क का निर्माण हो जाए तो यहां रहने वाले लोगों को भी सुविधा होगी और वर्षा काल के दिनों में इस तरह के गड्ढों में पानी भरने से लोगों को मुक्ति मिल सकेगी।